लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी 09:19 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 348, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, बुधवार, 1 नवंबर 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO : 05 MIDDLE

अनकही अन-जली ने दर्शाया रिश्तों में शक का दर्द

बरेली, अमृत विचार : श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में चल रहे तीसरे थिएटर फेस्टिवल के अंतिम दिन मंगलवार को अनकही अन-जली का मंचन हुआ। मुंबई के इंदिरा नाग प्रोडक्शन पंख थिएटर ग्रुप के इस नाटक का निर्देशन मुकुल नाग ने किया। मुकुल और आकाश ने ही इसकी स्क्रिप्ट लिखी। मुख्य अतिथि उषा गुप्ता ने चेयरमैन देव मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ.अनुज कुमार और डा.रीता शर्मा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। नाटक प्रसिद्ध कार्डियालाजिस्ट डॉ.सुनील कुमार चौहान की जिंदगी का है, जो बेहद शक्की हैं और हर रिश्ते को शक की निगाह से देखते हैं। उन्होंने चार साल के अफेयर के बाद साथी गायनेकोलाजिस्ट डा.अंजली से शादी की। वह चिकित्सक की गलत रिपोर्ट पर गर्भवती पत्नी की हत्या कर देता है। बाद में उसे पता चलता है कि रिपोर्ट गलत थी। इसपर उसे पश्चाताप होता है। डा.चौहान की मुख्य भूमिका सुनील चौहान ने निभाई। आशा मूर्ति, नीता कुदेशिया, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ.अनुराग भटनागर, डॉ.एलएस मौर्या, डॉ.नसीम अख्तर, डॉ.आरती गुप्ता आदि मौजूद रहे।